ध्येय पथ

मासिक ई-पत्रिका

मार्च, 2023

सम्पादक

पुष्पा निषाद

सुबोध कुमार मिश्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा

01 मार्च को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर व बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का जीवन मूल्य व हमारे पूर्वज प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के 36 विद्यार्थी व बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के 22 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

जैवलिन, शॉट-पुट तथा डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता

01 मार्च को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्रीड़ा विभाग द्वारा जैवलिन, शॉट–पुट तथा डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता के बालक वर्ग में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान उदयराज राय बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, आलोक यादव बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर तथा कुलदीप चौहान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर को प्राप्त हुआ। वही बालिका वर्ग में प्रथम स्थान मनीषा को प्राप्त हुआ। शाट–पुट प्रतियोगिता के बालक वर्ग में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान मनीषा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर, महिमा बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर, ज्योति बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर को प्राप्त हुआ। डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता के बालक वर्ग में क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान उदयराज राय चतुर्थ सेमेस्टर, आशीष कुमार, सुरज यादव बी.ए. तृतीय सेमेस्टर को प्राप्त हुआ। वही बालिका वर्ग में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान मनीषा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, कविता द्वितीय सेमेस्टर, ज्योति बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन क्रीड़ा प्रभारी श्री चन्दन ठाकुर ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

02 मार्च को महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 65 विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान शालिनी मिश्रा, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर, निमिष सिंह, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर तथा प्रियंका सिंह बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. आरती सिंह, श्री हरिकेश यादव एवं श्री अभिषेक त्रिपाठी ने सक्रिय उपस्थिति दर्ज करायी।

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा

02 मार्च को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा संचालित प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 30 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। परीक्षा का संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

दौड़ प्रतियोगिता

02 मार्च को महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा 100 मी., 400मी. तथा 800मी. वर्ग में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालिका वर्ग के 100 मी. दौड़ प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की सुनीता को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की निकिता गुप्ता को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की वन्दना चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बालक वर्ग के 100 मी. दौड़ प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के राहुल कुमार यादव को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के आलोक कुमार यादव को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के सुनील चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 400 मी. दौड़ प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की सुनीता को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की निकिता गुप्ता को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की कविता गौड़ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ, वहीं बालक वर्ग के 400 मी. दौड़ प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के राहुल कुमार यादव को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के प्रदीप कुमार गौतम को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के बलिराम चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 800 मी. दौड़ प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के राहुल कुमार यादव को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के पियूष भारद्वाज को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के बलिराम चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन क्रीड़ा प्रभारी श्री चन्दन ठाकुर ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

03 मार्च को महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा "विश्व वन्य जीव संरक्षण दिवस" पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालू श्रीवास्तव एवं आभार ज्ञापन डॉ. नीलम गुप्ता ने किया।

आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन परीक्षा

03 मार्च को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग तथा नेशनल कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में संचालित एक वर्षीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन की परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा में इस प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के सभी विद्यार्थी शामिल हुए। परीक्षा का संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले. डॉ. रमाकान्त दूबे ने किया।

एक दिवसीय कार्यशाला

04 मार्च महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा मेकिंग इफेक्टिव पॉवर प्वाइन्ट प्रेजेन्टेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रियांशु श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभय प्रताप सिंह ने तथा आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी डॉ. वेंकट रमन ने किया।

वार्षिक पुरातन छात्र सम्मेलन

05 मार्च को महाविद्यालय में पुरातन छात्रों का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्रथम बैच के पास आउट विद्यार्थी एवं वर्तमान में केनरा बैंक, मगहर शाखा के सहायक प्रबन्धक श्री आशुतोष कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन पुरातन छात्र परिषद के प्रभारी डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने तथा संचालन महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य एवं महाविद्यालय के पुरातन छात्र श्री विनय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर चुके 287 पुरातन विद्यार्थी, समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रा कल्याण समिति की बैठक

13 मार्च को महाविद्यालय में छात्रा कल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महाविद्यालय की कुल 85 छात्राओं ने हिस्सा लिया। बैठक का संयोजन छात्रा कल्याण समिति की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

सप्त दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ

14 मार्च को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ अभिगृहित ग्राम हसनगंज में हुआ। उद्‌घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. जितेन्द्र कुमार जी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कियां कार्यक्रम की प्रस्ताविकी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने संचालन स्वयं सेवक श्री भानु प्रताप सिंह तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

सप्त दिवसीय शिविर का दूसरा दिन

15 मार्च को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन प्रातः प्राणि विज्ञान के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने योगाभ्यास कराया। वही बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्राणि विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी.के. सिंह ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका सुश्री पूजा गुप्ता ने तथा स्वागत एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

सप्त दिवसीय शिविर का तीसरा दिन

16 मार्च को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन के बौद्धिक सत्र में ''जी–20 भारत के परिप्रेक्ष्य में''विषय पर मुख्यवक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय जी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेविका अंजली मिश्र ने व स्वागत एवं आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय शिविर का चौथा दिन

17 मार्च को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन के बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामदरश राय जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेविका प्रतिभा ने तथा स्वागत एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय शिविर का पाँचवाँ दिन

18 मार्च को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर के पाँचवे दिन 'बदलता मौसम एवं संक्रमक बीमारियाँ' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में मेडिसिन विभाग के आचार्य डॉ. राजकिशोर सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक विष्णु पटेल ने किया। अतिथि का स्वागत एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

सप्तदिवसीय शिविर का छठवाँ दिन

19 मार्च को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठवे दिन "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का भारत के युवा पीढ़ी पर प्रभाव" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेविका सुश्री साधना यादव ने किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

समावर्तन संस्कार

19 मार्च को महाविद्यालय में 16वें समावर्तन संस्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी.एन. सिंह जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. राजेश कुमार सिंह ने की। समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी रखी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह का सानिध्य प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूर्ण कर चुके छात्र–छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ–साथ शुचिता एवं ईमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान एवं सम्बर्धन करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर समावर्तन–2022 पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह तथा कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर श्रेष्ठतम शिक्षक का सरस्वती सम्मान डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय को, श्रेष्ठतम कर्मचारी का महाराणा प्रताप सम्मान श्री शम्भू प्रताप सिंह को, श्रेष्ठतम परिचर का महन्त अवेद्यनाथ सम्मान श्री दूधनाथ को दिया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के आस–पास की ग्रामीण महिलाओ

एवं महाविद्यालय की छात्राओं के स्वालम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 06 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं में से सर्वश्रेष्ठ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षु के रूप में सुश्री सुभावती को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान

के साथ प्रतिवर्ष की भांति पुरस्कार में सिलाई मशीन प्रदान किया गया। महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी सुश्री प्रतिभा गुप्ता को चेतक सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही साथ बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम 'हमारे पूर्वज' एवं 'जीवन मूल्य' के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में

क्रमशः सुश्री अर्चज यादव को महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान तथा श्री हिमांशु सिंह को महायोगी गोरखनाथ सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के श्रेष्ठम प्रशिक्षु सुश्री गुंजा प्रजापति को महारानी पद्मिनी सम्मान, आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के श्रेष्ठतम प्रशिक्षु सुश्री अर्पिता दूबे को मेजर सोमनाथ शर्मा सम्मान तथा सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के श्रेष्ठतम प्रशिक्षु सुश्री पूजा कुमारी को आचार्य कौटिल्य सम्मान प्रदान किया गया।

सप्तदिवसीय शिविर का सातवाँ दिन

20 मार्च को महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र जी उपस्थित रहे। समापन समारोह की अध्यक्षता महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक राधेश्याम ने तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

22 मार्च महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के वक्ता के रूप में एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी श्री दीपचन्द ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

शहीद दिवस

23 मार्च को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा 'शहीद दिवस' पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

भूगोल प्रदर्शनी

23 मार्च को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ''विश्व मौसम विज्ञान दिवस के अवसर पर भूगोल विभाग द्वारा ''भूगोल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. मंजेश्वर आचार्य एवं डॉ. अभिषेक सिंह के सक्रिय भूमिका निभाई। प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ मॉडल का प्रथम स्थान दिव्या मौर्या को द्वितीय स्थान शशिप्रभा को एवं तृतीय स्थान कुमारी खुश्बू बैठा को एवं सांत्वना स्थान गरिमा यादव को प्रदान किया गया। आभार ज्ञापन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

एक दिवसीय योग कार्यशाला

29 मार्च को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा एक दिवसीय योगकार्यशाला का आयोजन किया गया। योग कार्यशाला के योग विशेषज्ञ के रूप में महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। कार्यशाला में कुल 48 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

क्विज प्रतियोगिता

29 मार्च को भूगोल विभाग द्वारा भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की कुमारी विनीता विश्वकर्मा एवं विवेक कुमार निषाद रहे। चतुर्थ सेमेस्टर के सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हरेन्द्र गौड़, आकाश कुमार पटवा व सन्दीप कुमार निषाद को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का संयोजन अरविन्द कुमार मौर्य ने किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

29 मार्च को महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के मनोविज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. सत्य प्रकाश ने अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का संयोजन एवं संचालन संयुक्त रूप से मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. वेंकट रमन तथा सहायक आचार्य डॉ. अभय प्रताप सिंह ने किया।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक-आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज नें पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान-विज्ञान एवं कौशल से ओत-प्रोत शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है । महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में मार्च माह की मासिक ई-पात्रिका ध्येय-पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-273014